



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 12]

नई विल्ली, शनिवार, मार्च 24, 1973/चैत्र 3, 1895

No. 12] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 24, 1973/CHAITRA 3, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given in this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4

PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गये विधिक नियम और प्रावधेश

Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई विल्ली, ९ मार्च, १९७३

का० नि० प्रा० ७४.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद ३०९ के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और इस नियमित उन्हें समर्थन करने वाली सभी ग्रन्थ शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०नि०प्रा० १० तारीख २२ दिसम्बर, १९७० के साथ प्रकाशित सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, १९७० में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एवं द्वारा बनाते हैं, ग्रन्थात्:—

१. संक्षिप्त नाम और प्रावधान:—(१) इन नियमों का नाम सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा (द्वितीय संशोधन) नियम, १९७३ है।

(२) ये प्रगति, १९७२ के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

२. नियम २ का संशोधन:—सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा

नियम, १९७० (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम २ में:—

(i) खण्ड (ब) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, ग्रन्थात्:—

“(ब) नियत दिन में सेवा की व्यवस्था १ और श्रेणी २ के बारे में अगस्त, १९६९ का प्रथम दिन और सेवा की श्रेणी ३ के बारे में अगस्त, १९७२ का प्रथम दिन असिंचित है।”

(ii) खण्ड (च) के स्थान पर, निम्नालिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, ग्रन्थात्:—

“(च) ‘सीधे भर्ती किया गया व्यक्ति’ से आयोग द्वारा श्रेणी २ पर या नियम १३क में वी गई प्रक्रिया के अनुसार संस्कृत नियमित विभाग में कार्मिक विभाग के संविदालय प्रशिक्षण वया प्रबन्ध संस्थान द्वारा श्रेणी ३ पर ली गई प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर भर्ती किया गया कोई व्यक्ति असिंचित है।”

(iii) खण्ड (ट) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, प्रथमतः—

(ट) “पश्चिमीकाधीन” में किसी अधिकारी रिक्ति में या उसके प्रति परिवीक्षा पर श्रेणी 3 में सीधे भर्ती किया गया नियुक्त व्यक्ति प्रतिष्ठित है;

(iv) खण्ड (ड) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, प्रथमतः—

“(ड) चयन श्रेणी 1 वा श्रेणी 2 के सम्बन्ध में ‘चयन सूची’ से, मात्रास्थिति, नियम 21 के अधीन या सम्बन्ध अनुसूची में अन्तविष्ट प्रक्रिया के अधीन बनाए गए विनियमों के अनुसार बमाई गई चयन सूची प्रतिष्ठित है,”

(v) खण्ड (इ) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, प्रथमतः—

“(इ) “सेवा” से सशस्त्र बल मुख्यालय आणुलिपिक सेवा, प्रतिष्ठित है, जिसमें प्रथम अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट रक्षा मंत्रालय के मुख्यालयों और अन्तर सेवा संगठनों में से, किसी में चयन श्रेणी, श्रेणी 1, श्रेणी 2 और श्रेणी 3 के पद समाप्तिष्ठ हैं।”

3. नियम 3 का प्रतिस्थापन: उक्त नियम के नियम 3 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, प्रथमतः—

“3—सेवा की संरक्षणा:—(1) सेवा में 4 श्रेणियाँ होंगी, जिनका वर्गीकरण निम्नलिखित प्रकार से किया गया है:—

श्रेणी	वर्गीकरण
(i) चयन श्रेणी	केन्द्रीय सिविल सेवा वर्ग 2 अनु-सचिवीय
(ii) श्रेणी 1	
(iii) श्रेणी 2	
(iv) श्रेणी 3	केन्द्रीय सिविल सेवा वर्ग 3 अनुसचिवीय

(2) द्वितीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट पदों से सेवा की चयन श्रेणी और तृतीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट पदों से सेवा की श्रेणी 1 गठित होगी वैयक्तिक महायों के सभी पदों से मिलकर, जब तक किसी विनिर्दिष्ट पद के लिए अन्यथा उपबन्ध न किया गया हो, सेवा की श्रेणी 2 बनेगी। आणुलिपिकों के सभी पदों से मिलकर, जब तक किसी विनिर्दिष्ट पद के लिए अन्यथा उपबन्ध न किया गया हो सेवा की श्रेणी 3 बनेगी। प्रथम अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट सशस्त्र बल मुख्यालयों और अन्तर सेवा संगठनों के आणु-टंककों के सभी विश्वासन पद, सशस्त्र बल मुख्यालय आणुलिपिक सेवा (द्वितीय संशोधन) नियम, 1973 के प्रवृत्त होने की तारीख से, सेवा की श्रेणी 3 के कर्तव्य पदों में परिवर्तित किये समझे जायेंगे।

(3) चयन श्रेणी प्रोर श्रेणी 1 के पद राजपत्रित और चयन पद होंगे तथा श्रेणी 2 और श्रेणी 3 के पद राजपत्रित और अन्य उपबन्धों पद होंगे।

4. नियम 4 का संशोधन:—उक्त नियम 4 के नियम में, “तीनों श्रेणियों” शब्दों के स्थान पर जहाँ कहीं भी वे आएं “चारों श्रेणियों” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

5. नियम 9 का संशोधन:—उक्त नियम 9 में, ‘आरम्भिक गठन’ पार्श्व श्रेणी के स्थान पर चयन श्रेणी, श्रेणी 1 और श्रेणी 2 का ‘आरम्भिक गठन’ पार्श्व श्रेणी प्रतिस्थापित किया जाएगा।

6. नियम 9 का प्रत्यक्षस्थापन:—उक्त नियम के नियम 9 के पश्चात् निम्नलिखित नियम गठन: स्थापित किया जाएगा, प्रथमतः—

“9, श्रेणी 3 का आरम्भिक गठन: (1) सेवा की श्रेणी 3 के आरम्भिक गठन पर सभी स्थायी प्रमुख अस्थायी कर्तव्य पदों पर नियुक्तिमा, विभागीय अध्यर्थियों में से की जाएगी। इस प्रयोजन के लिए निम्नलिखित व्यक्ति विभागीय अध्यर्थी समझे जाएंगे, प्रथमतः—

(क) वे व्यक्ति, जो 1 अगस्त 1972 के दौरे पूर्व सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की नियम श्रेणी में नियमित रूप से नियुक्त हैं और जो प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट सशस्त्र बल मुख्यालयों और अन्तर सेवा संगठनों के कार्यालयों में से किसी में आणु-टंककों के पद धारण करते हैं और उसके लिए विशेष बेतन पाते हैं;

(ख) वे व्यक्ति, जो सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की नियम श्रेणी के हैं और जो आणु-लिपिक, वैयक्ति सहायक या अन्य समान पदों पर, लोकहित में, प्रतिनियुक्ति पर हैं, जिनके मामले में यह प्रमाणित किया जाता है कि यदि वे प्रतिनियुक्ति पर न होते तो प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट सशस्त्र बल मुख्यालयों और अन्तर सेवा संगठनों में 1 अगस्त, 1972 तक आणु-टंककों के पद पर बैठे रहते;

(2) सेवा की श्रेणी 3 के पद ऐसे विभागीय अध्यर्थियों की नियुक्ति द्वारा भरे जाएंगे, जो आणु-टंककों के पद धारण करते हैं और उप-नियम (1) के खण्ड (क) और (ख) में निर्दिष्ट हैं;

परन्तु उन्होंने रक्षा मंत्रालय के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के कार्यालय द्वारा ली गई आणु-लिपिक परीक्षा भी उत्तीर्ण की हो;

परन्तु यह और कि उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट अधिकारीयों को सशस्त्र बल मुख्यालय आणु-लिपिक सेवा में सम्मिलित होने या सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा में छाने रहने के लिए विकल्प दिया जाएगा। एक बार प्रयुक्त किया गया विकल्प अन्तिम मासा जाएगा। उनमें से ऐसे, जो सशस्त्र बल मुख्यालय आणु-लिपिक सेवा में सम्मिलित होने का विकल्प देते हैं, उनके बारे में यह नमस्ता जाएगा कि उन्होंने सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा में ऐसे पदों पर पुनर्गृहणाधिकार के लिए उन्हें आशात किया जाएगा। जो 1 अगस्त, 1972 की पूर्ववर्ती तारीख से नियम श्रेणी में पुष्ट के लिए वाले हों जाएं, उस प्रकार, सेवा में उनकी यथोचितता पर पुष्ट की जाएगी और जब तक उनकी सशस्त्र बल मुख्यालय आणु-लिपिक सेवा में पुष्ट नहीं की जाती तब तक सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा में उनका पुनर्गृहणाधिकार भी होगा। वे आणु-टंक, जो सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा के लिए विकल्प देते हैं, उस सेवा में नियम श्रेणी लिपिक के रूप में माने जाएंगे।

(3) सेवा की श्रेणी 3 में नियुक्त व्यक्ति, नियम 15 के उपबन्धों के अनुसार परिवीक्षा पर होंगे।

7. नियम 11 का प्रतिस्थापन: उक्त नियम के नियम 11 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा।

प्रथात्:—

“साथी प्रभुरक्षण:—प्रतिष्य में, सेवा का नियम 12, 13 और 13क में यथा उपदर्शित के अनुसार अनुरक्षण किया जाएगा।”

8. नियम 13 का प्रतिस्थापन:—उक्त नियम के नियम 13 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, प्रथात्:—

“13. सेवा की श्रेणी 2 में भर्ती:

(1) सेवा की श्रेणी 2 में प्रधिष्ठायी रिक्तियाँ, उस श्रेणी की अयन सूची में सम्मिलित व्यक्तियों की अधिष्ठायी नियुक्ति द्वारा, चयन सूची में, ज्येष्ठता के क्रम में ऐसी नियुक्तियाँ करते हुए तब के मिवाय भरी जाएंगी जब वेष्ट बद्ध कारणों के लिए कोई व्यक्ति अपने क्रम में ऐसी नियुक्ति के लिए योग्य समझा गया हो।

(2) सेवा की श्रेणी 2 में अस्थायी रिक्तियाँ, उस श्रेणी के लिए अयन सूची में सम्मिलित व्यक्तियों की नियुक्ति द्वारा भरी जाएंगी। न भरी गई योग्य रिक्तियाँ, तप्तस्थात् अनुपयुक्त व्यक्तियों को अग्रहीत करते हुए सेवा की श्रेणी 3 के ऐसे प्रधिकारियों की ज्येष्ठता के प्राधार पर अस्थायी प्रोत्साहित द्वारा भरी जाएंगी, जिसमें उस श्रेणी में कम-से-कम 5 वर्ष की अनुमोदित सेवा की हो। ऐसी प्रोत्साहित तब समाप्त की जाएंगी जब श्रेणी 2 के लिए चयन सूची में सम्मिलित व्यक्ति रिक्तियाँ भरने के लिए उपलब्ध हो जाएँ।

परन्तु श्रेणी 3 के ऐसे प्रधिकारी, जो प्रारम्भिक गठन पर उस श्रेणी में नियुक्त हैं, अनुपयुक्त व्यक्तियों को प्रगृहीत करते हुए, यदि उन्होंने उस श्रेणी में कम-से-कम 3 वर्ष की अनुमोदित सेवा की हो, ज्येष्ठता के प्राधार पर प्रोत्साहित के लिए पात्र होंगे।

परन्तु यह और कि यदि श्रेणी 3 में नियुक्त किसी व्यक्ति के बारे में, इस उप-नियम के उपबन्धों के अनुसार श्रेणी 2 में प्रोत्साहित के लिए विचार किया जाता है, तो श्रेणी 3 के उससे ज्येष्ठ सभी व्यक्तियों के बारे में भी उस श्रेणी में उनकी 5 वर्ष की अनुमोदित सेवा न होने पर भी इस प्रकार विचार किया जाएगा।

(3) इस नियम के प्रयोजन के लिए एक चयन सूची बनाई जाएगी और समय-समय पर पुनरीक्षण की जाएगी। चयन सूची के अन्तर्में तथा पुनरीक्षण की प्रतिया, सन्तम अनुसूची में यथाउपदर्शित होगी।

(4) उप-नियम (2) में विहित श्रेणी 2 में प्रोत्साहित के लिए अनुमोदित सेवा-काल, सरकार द्वारा प्रत्येक 3 वर्ष में एक बार पुनर्विलोकित प्राप्त, यदि आवश्यक हो, पुनरीक्षण किया जा सकेगा।

9. नए नियम 13क का अस्त-स्थापन:—उक्त नियम के नियम 13 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, प्रथात्:—

“13क. सेवा की श्रेणी 3 में भर्ती:—(1) सेवा की श्रेणी 3 में रिक्तियाँ, उस प्रयोजन के लिए मंत्रिमंडल सचिवालय में कार्मिक विभाग के सचिवालय प्रशिक्षण प्राप्त और प्रबंध संस्थान द्वारा ली गई प्रतियोगिता परीक्षाओं के प्राधार पर, जो मणस्त्र वल सुधालय विविक सेवा के सदस्यों तक सीमित होंगी, सीधी भर्ती द्वारा भरी जाएंगी।

परन्तु जहाँ तक ऐसी प्रतियोगिता परीक्षाओं के परिणामों पर अहित अभ्यर्थियों की पर्याप्त मंजूरी नियुक्ति के लिए उपलब्ध न हो, रिक्तियाँ अन्तिम रूप से या नियमित आधार पर ऐसी रीति में, भरी जा सकेंगी, जैसी सरकार द्वारा अवधारित की जाएँ।

(2) सरकार, अधिकारी द्वारा, सेवा की श्रेणी 3 में उप-नियम (1) में निविष्ट किसी परीक्षा के परिणामों पर, स्थायी रूप से या प्रतिम रूप से भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या विनियोग कर सकेंगी।

(3) उप-नियम (2) के प्रतीक्षा लिए गए किसी आदेश के अनुसारण में स्थायी रूप से भरी जाने वाली रिक्तियों से भिन्न उस श्रेणी में प्रधिष्ठायी रिक्तियों पर अधिष्ठायी नियुक्तियाँ, तब के सिवाए जब, लेखबद्ध कारणों के लिए अपने क्रम में ऐसी नियुक्ति के लिए कोई व्यक्ति योग्य न समझा गया हो, उस श्रेणी के अस्थायी प्रधिकारियों की ज्येष्ठता के क्रम में की जाएंगी।

(4) उप-नियम (1) में निविष्ट प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए नियम वे होंगे, जो अष्टम अनुसूची में, अन्तर्विष्ट विनियमों द्वारा अवधारित किए जाएँ।

10. नियम 15 का संशोधन: उक्त नियम के नियम 15 में,—

(i) उप-नियम (1) में, ‘श्रेणी 2’ शब्दों के पश्चात् ‘या श्रेणी 3’ शब्द अन्तःस्थापित किए जाएँगे;

(ii) उप-नियम (2) में ‘चयन श्रणी या श्रेणी 1’ शब्दों के स्थान पर, ‘चयन श्रेणी, श्रेणी 1 या श्रेणी 2’ शब्द प्रतिस्थापित किए जाएँगे।

11. नियम 16 का संशोधन: (i) उक्त नियम के नियम 16 को इसके उप-नियम (1) के रूप में पुनः सम्पादित किया जाएगा और इस प्रकार यथा पुनः संस्थापित उप-नियम (1) में ‘नियम 12 या नियम 13’ पद के स्थान पर “नियम 12, नियम 13 या नियम 13क” पद प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(ii) उप-नियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, प्रथात्:—

“(2) जब श्रेणी 3 में किसी परिस्थिताधीन प्रधिकारी ने विहित परीक्षण पास कर लिए हों और अपनी परिवीक्षा नियुक्ति प्रधिकारी के समाधानप्रद रूप में पूरी कर ली हो, तो वह उस श्रेणी में पुष्टि का पात्र होगा।”

12. नियम 17 का संशोधन: उक्त नियम के नियम 17 में—

(i) उप-नियम (1), (2) और (3) में ‘श्रेणी 2’ शब्दों के पश्चात् जहाँ कहीं भी वे आएं, ‘या श्रेणी 3’ शब्द अन्तःस्थापित किए जाएँगे;

(ii) उप-नियम (4) में, ‘चयन श्रेणी या श्रेणी 1’ शब्दों के स्थान पर, ‘चयन श्रेणी 1 या श्रेणी 2’ शब्द प्रतिस्थापित किए जाएँगे।

13. नियम 18 का संशोधन: उक्त नियम के नियम 18 में,

(i) उप-नियम (2) में, ‘नियम 9’ शब्द और अंक के पश्चात् ‘या नियम 9क’ शब्द और अंक अन्तःस्थापित किए जाएँगे;

(ii) उप-नियम (4) के स्थान पर, निम्नलिखित उप-नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, प्रथात्:—

“(1) नियम 1 या श्रेणी 2 के आरम्भिक गठन में सम्मिलित अस्थायी प्रधिकारियों की पारस्परिक ज्येष्ठता उस अंक में विनियमित की जाएगी, जिसमें कि वे इस प्रकार नियुक्त किए गए हैं।

(2) आरम्भिक गठन पर श्रेणी 3 आशुलिपियों के रूप में नियुक्त आषुट्टों की पारस्परिक ज्येष्ठता, सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की निम्न श्रेणी में उनकी ज्येष्ठता के संदर्भ से नियन्त्रण की जाएगी;

(iii) (क) उप नियम (5) में, "चयन श्रेणी, श्रेणी 1 और श्रेणी 2" शब्दों के स्थान पर, "चयन श्रेणी, श्रेणी 1, श्रेणी 2 और श्रेणी 3" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे:

(च) "II-श्रेणी 2" शीर्ष के नीचे खण्ड (i) और (ii) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किए जाएंगे अर्थात् :

(i) "स्थायी अधिकारी-श्रेणी में अधिष्ठायी रूप से नियुक्त अधिकारियों की पारस्परिक ज्येष्ठता उस क्रम द्वारा विनियमित की जाएगी, जिसमें कि वे श्रेणी में इस प्रकार नियुक्त किए गए हैं;

(ii) भ्रष्टाचारी अधिकारी—श्रेणी में नियुक्त भ्रष्टाचारी अधिकारियों की पारस्परिक ज्येष्ठता निम्नलिखित रूप में विनियमित की जाएगी, अर्थात् :—

(क) श्रेणी के लिए चयन सूची में सम्मिलित किए गए व्यक्तियों वे चयन सूची में सम्मिलित न किए गए व्यक्तियों से रैंक में सामूहिक रूप से होंगे;

(ब) चयन सूची में सम्मिलित किए गए व्यक्तियों की पारस्परिक ज्येष्ठता उस क्रम में होगी, जिसमें उनके नाम चयन सूची में सम्मिलित किए गए हैं;

(ग) चयन सूची में सम्मिलित न किए गए व्यक्तियों की पारस्परिक ज्येष्ठता उस क्रम द्वारा से विनियमित की जाएगी, जिसमें कि वे उस श्रेणी में दीर्घकालिक नियुक्ति के सिए अनुमोदित किए जाएं।"

(ग) 'II-श्रेणी 2'—शीर्ष और उनकी प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित शीर्ष और प्रविष्टियां अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

"III—श्रेणी 3"

(i) स्थायी अधिकारी—नियत दिन के पश्चात्, श्रेणी में अधिष्ठायी रूप से नियुक्त अधिकारियों की पारस्परिक ज्येष्ठता उस क्रम द्वारा विनियमित की जाएगी, जिसमें कि वे श्रेणी इस प्रकार नियुक्त किए गए हैं। अधिष्ठायी विक्रियों पर नियुक्त सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों की पारस्परिक रैंक उस गुणानुक्रम के अनुसार होगी, जिसमें कि वे उस प्रतियोगिता परीक्षा में रखे गए हों, जिसके परिणामों के आधार पर उनकी भर्ती हुई हो और पूर्णतर परीक्षा के सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों से ज्येष्ठ रैंक दी जाएगी।

(ii) भ्रष्टाचारी अधिकारी—नियत दिन के पश्चात् श्रेणी में नियुक्त व्यक्तियों की पारस्परिक रैंक उस गुणानुक्रम में होगी, जिसमें कि वे उस प्रतियोगिता परीक्षा में रखे गए हों, जिसके परिणामों के आधार पर उनकी भर्ती

हुई हो और पूर्णतर परीक्षा के सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों से ज्येष्ठ रैंक दी जाएगी।

(iii) नियम 13 के "उप-नियम (1) के पश्चात् उक्त के अधीन श्रेणी में नियुक्त अधिकारियों की ज्येष्ठता ऐसी होगी, जो सरकार द्वारा समय समय पर अवधारित की जाए।"

14. नियम 19 का संशोधन :—उक्त नियम के नियम 19 में,—

(i) प्रारम्भ में, "चयन श्रेणी, श्रेणी 1 और श्रेणी 2", शब्दों के स्थान पर "चयन श्रेणी, श्रेणी 1, श्रेणी 2 और श्रेणी 3" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे;

(ii) उप-नियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(4) श्रेणी 3—130-5-160-8-200-५०००-८-256-८-280 रुपए।"

15. नियम 20 का संशोधन :—उक्त नियम के नियम 20 में, उप-नियम

(1) में, "चयन श्रेणी, श्रेणी 1 और श्रेणी 2" शब्दों के स्थान पर "चयन श्रेणी, श्रेणी 1, श्रेणी 2 और श्रेणी 3" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

16. नियम 23 का प्रतिस्थापन :—उक्त नियम के नियम 23 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :

"23. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें सेव्यबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रबंग के व्यक्तियों या पदों की बाबत शिथिल कर सकेंगी :

परन्तु आयोग की सीमा के भीतर आने वाले पदों के सम्बन्ध में किसी वर्ग या प्रबंग के व्यक्तियों या पदों के बारे में कोई आदेश, आयोग से परामर्श के पश्चात् के बिना, नहीं दिया जाएगा।"

17. चतुर्थ अनुसूची का संशोधन :—उक्त नियम की चतुर्थ अनुसूची में, सारणी में, 'श्रेणी' प्रीर "प्राधिकृत स्थायी संख्या" शीर्षों के नीचे खण्ड (III) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(IV) श्रेणी 3 कुछ नहीं।"

18. नई अनुसूचियों का अन्तःस्थापन :—उक्त नियम की छठम अनुसूची के पश्चात् निम्नलिखित अनुसूचियां अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

(I) सप्तम अनुसूची :—सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 2 के लिए चयन सूची को बनाने प्रीर पुनरीक्षण की प्रक्रिया;

(II) अष्टम अनुसूची :—सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा श्रेणी 3 (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्त) विनियम, 1973;

(III) नवम अनुसूची :—सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा (श्रेणी 2 सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1973;

(IV) दशम अनुसूची :—सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा श्रेणी 2 (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्त) विनियम, 1973।

सत्तम् अनुसूची

[नियम 13(3) वेदिए]

तत्त्वात् बल मुक्यात्य आधुतिपक्ष सेवा को श्रेणी 2
के लिए ज्यवन् सूची को बताने और पुनरीकाश को प्रक्रिया

1. गठन : सेवा की श्रेणी 2 के लिए अस्थायी अधिकारियों से मिलकर जो नियत दिन के ठीक पूर्व श्रेणी में नियुक्त किए गए हों या नियत दिन के पूर्व आयोग द्वारा ली गई प्रतियोगिता परीका के परिणामों पर नियुक्त किए जाएं, ऐसी तारीख पर उस श्रेणी की ज्यवन्-सूची बनेगी।

2. अनुरक्षण : (1) पैरा 1 के अधीन, ज्यवन् सूची के आरम्भिक गठन के पश्चात्, सरकार, उस श्रेणी में विद्यमान और प्रत्यापित रिक्तियों पर ज्यवन् देते हुए, ज्यवन् सूची में निम्नलिखित प्रबग्दों के व्यक्तियों में से इतने व्यक्ति जोड़ सकेंगे, जिसने वह ठीक समझे, अर्थात्:—

- (क) (i) विनिर्दिष्ट सचिवालय के कामिक विभाग के सचिवालय परिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा उस प्रयोजन के लिए अन्य समय पर ली गई किसी विभागीय प्रतियोगिता परीका के परिणामों पर गुणानुक्रम में ज्यवन् किए गए व्यक्ति;
- (ii) सेवा की श्रेणी 3 में के लिए अधिकारियों में से (अनुपयुक्त को अग्रहीत करते हुए), अपनी ज्येष्ठता के क्रम में ज्यवन् लिए गए व्यक्ति, जिन्होंने:—
- (क) नियम 9-क के अधीन आरम्भिक गठन पर उस श्रेणी में नियुक्त अधिकारियों के मामले में, उस श्रेणी में कम से कम 3 बर्ष की अनुमोदित सेवा की हो;
- (ख) अन्य व्यक्तियों के मामले में, उस श्रेणी में कम से कम 5 बर्ष की अनुमोदित सेवा की हो।
- (ग) आयोग द्वारा उस प्रयोजन के लिए समय-समय पर ली गई किसी प्रतियोगिता परीका के परिणामों पर गुणानुक्रम में ज्यवन् किए गए व्यक्ति:—

परन्तु खण्ड (क) और खण्ड (ख) में विनिर्दिष्ट प्रबग्दों के भीसर आने वाले व्यक्तियों की ज्यवन् सूची में बृद्धि 3 : 5 के अनुपात में होती, अर्थात् यदि खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट प्रबग्दों के व्यक्तियों में से 3 व्यक्तियों की बृद्धि की जाए, तो खण्ड (ख) में विनिर्दिष्ट प्रबग्दों के व्यक्तियों में से 5 व्यक्तियों की बृद्धि जाएगी, और खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट प्रबग्दों के व्यक्तियों से ज्यवन् सूची में वक्ति की जाने वाले तीन व्यक्तियों में से, यदि उसकी मद (I) में विनिर्दिष्ट प्रबग्दों के व्यक्तियों में से एक व्यक्ति की बृद्धि की गई है, तो मद (II) में विनिर्दिष्ट प्रबग्दों के व्यक्तियों में से 2 व्यक्तियों की बृद्धि की जाएगी।

परन्तु यह भी कि यदि खण्ड (क) की मद (I) में विनिर्दिष्ट प्रबग्दों के व्यक्ति, अपने कोटे में होने वाली रिक्तियां भरते के लिए उपलब्ध न हों, तो खण्ड (क) की मद (II) में विनिर्दिष्ट प्रबग्दों के व्यक्तियों में से, और उसके विपरीत, उनका पूरी की जाएगी; और यदि खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट दोमों प्रबग्दों के व्यक्ति अपने कोटे में होने वाली रिक्तियां भरते के लिए उपलब्ध न हों, तो खण्ड (ख) के प्रबग्दों के व्यक्तियों में से उनका पूरी की जाएगी।

(2) उप-पैरा (1) के खण्ड (क) और (ख) में निर्दिष्ट प्रतियोगिता परीका, क्रमशः नवम् अनुसूची और दशम् अनुसूची में अन्तर्विष्ट विनियमों द्वारा विनियमित की जाएंगी :

3. ज्येष्ठता : (1) पैरा 1 के अधीन गठित श्रेणी के लिए ज्यवन् सूची में अन्तर्विष्ट अधिकारी, ऐसे गठन के पश्चात् उसमें अन्तर्विष्ट किए गए अधिकारियों से ज्येष्ठ होंगे।

परन्तु आयोग द्वारा ली गई प्रतियोगिता परीका के माध्यम द्वारा भर्ती किए गए व्यक्तियों की ज्येष्ठता, जिनके मामलों में नियुक्ति के प्रस्ताव रद्दकरण के पश्चात् पुनः प्रवर्तित किए गए हैं, ऐसी होती, जिसे आयोग के परामर्श से सरकार द्वारा अबद्धारित किया जाए।

(2) पैरा 2 के अधीन ज्यवन् सूची में सम्मिलित किए गए अधिकारी पारस्परिक रैंक में ऐसे क्रम में होंगे, जिसमें वे ज्यवन् सूची में सम्मिलित किए गए हों।

4. ज्यवन् सूची से नामों का हटाना:—(1) खण्ड (3) के अधीन रद्द हुए, श्रेणी के लिए ज्यवन् सूची में सम्मिलित किए गए अधिकारी का, उस श्रेणी में अधिकारी रूप से उसकी नियुक्ति तक, ऐसी सूची में सम्मिलित किया जाना बना रहेगा।

(2) श्रेणी के लिए ज्यवन् सूची में सम्मिलित ऐसे अधिकारियों का, जिनको उस श्रेणी में नियुक्त नहीं किया जा सकता या जो रिक्तियों के अभाव में उससे प्रतिवर्तित कर दिए गए हैं, ऐसी सूची में उम्मा सम्मिलित किया जाना बना रहेगा और वे ज्यवन् सूची में उन्हें दी गई ज्येष्ठता रखेंगे।

(3) ज्यवन् सूची से निम्नलिखित प्रबग्दों के व्यक्तियों के नाम हटाए जाएंगे, अर्थात्:—

- (क) वे व्यक्ति, जो श्रेणी में अधिकारी रूप से नियुक्त हैं;
- (ख) वे व्यक्ति, जो अन्य किसी सेवा या पद को अधिकारी रूप से स्थानान्तरित किए गए हैं;

(ग) वे व्यक्ति, जिनकी मृत्यु हो जाती है या सेवा निवृत्त हो जाते हैं या जिनकी सेवाएं अन्यथा समाप्त की जाती हैं; और

(घ) (i) नियम 15 में विनिर्दिष्ट परिवीक्षा की अवधि के परे श्रेणी 2 में स्थानान्तर ऐसे व्यक्ति, जो केंद्रीय सिविल सेवा (बर्गीकरण, मियांगन और भारील) नियम, 1965 के अधीन विभागीय जांच या कार्यशाही के परिणामस्वरूप उससे प्रतिवर्तित किए गए हैं, या

(ii) श्रेणी 2 के ऐसे व्यक्ति, जो नियम 15 में विनिर्दिष्ट परिवीक्षा की अवधि के दौरान या उसके अन्त पर नियम 17 के, यथास्थिति, उप-नियम (3) या (4) के अधीन उस श्रेणी में बने रहने के लिए अयोग्यता के कारण उससे प्रतिवर्तित किए गए हैं; या

(iii) श्रेणी 2 में परिवीक्षा पर अब तक प्रोत्साहित या नियुक्त न किए गए ऐसे व्यक्ति, जो अन्य सूची से वार्षिक पुनर्विलोकन पर, सूची में सम्मिलित किए जाने से अपने रिकाउं या आवृत्ति या, दोसों में छाल छाने के कारण प्रपेक्षित स्तर से नीचे पाए गए हैं;

परन्तु उपर्युक्त प्रबग्द (III) से ऐसे व्यक्तियों का नाम, जिसको पैरा 2 में विनिर्दिष्ट प्रतियोगिता परीका के परिणामों पर ज्यवन् सूची में सम्मिलित किया गया है, आयोग के परामर्श के हटाया जाएगा।

सशस्त्र बल मुख्यालय

[नियम 13-क (4) देखिए]

सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा श्रेणी 3 (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम 1973

सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1970 के नियम 21 के साथ पठित नियम 13-क के उप-नियम (4) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, निम्नलिखित विनियम एवंविद्वारा बनाती है, अधिकारी—

1. **तारीख नाम और प्रारम्भ :** (1) इन विनियमों का नाम सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा श्रेणी 3 (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्त) विनियम, 1973 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबृत्त होंगे।

2. **परिभाषा:**—(1) इन विनियमों में, जब तक कि संवर्ग से अन्यथा अपेक्षित न हो:—

(क) "निर्णयिक तारीख" से ऐसे वर्ष की, जिसमें परीक्षा ली गई है, जनवरी का प्रथम दिन अभिप्रेत है;

(ख) "समतुल्य श्रेणी" से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अधीन कोई ऐसी श्रेणी अभिप्रेत है जिसका व्यूनतम और अधिकतम वेतनमान पहली जुलाई, 1959 के पूर्व, क्रमशः 35 ह० और 130 रुपये से कम नहीं था और पहली जुलाई, 1959 को या तदपश्चात् क्रमशः 110 रुपये और 180 रुपये से कम नहीं है;

(ग) "परीक्षा" से सेवा की श्रेणी 3 में नियुक्ति के लिए सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा ली गई प्रतियोगिता परीक्षा अभिप्रेत है;

(घ) "सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान" से मंत्रिमण्डल सचिवालय में कार्यक्रम विभाग का सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान अभिप्रेत है;

(ङ) "निम्न श्रेणी और उच्च श्रेणी में नियमित रूप से नियुक्त अधिकारी" से विहित प्रक्रिया के प्रनुसार, सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की निम्न श्रेणी या उच्च श्रेणी में दीर्घालिक आधार पर नियुक्ति अधिकारी अभिप्रेत है;

(च) "नियम" से सशस्त्र बल सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1970 प्रभिप्रेत है।

(छ) "प्रनुसूचित जातियों" और "प्रनुसूचित जन-जातियों"; के भी ही अर्थ होंगे, जो उन्हें भारत के संविधान के प्रनुच्छेद 366 के क्रमशः छण्ड (24) और (25) में विद् गए हैं।

(2) इन विनियमों में प्रबृत्त और इसमें परिभाषित न किए गए किन्तु नियम में परिभाषित किए गए सभी अन्य शब्दों और पदों के वे ही अर्थ होंगे, जो इन नियमों में उन्हें क्रमशः दिए गए हैं।

3. **परीक्षा लेना:**—(1) केन्द्रीय सरकार द्वारा ममयन्ममय पर अधिसूचित रीति से सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा, परीक्षा मंचनित की जाएगी।

(2) वे तारीखें, जिनको, और वे स्थान, जहां परीक्षा ली जाएगी, सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा नियत किए जाएंगे।

4. **पालता की शर्तें:** (1) पालता—मशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक मुख्यालय सेवा की निम्न श्रेणी या उच्च श्रेणी में नियमित रूप से नियुक्त कोई ऐसा स्थायी या अस्थायी अधिकारी, जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता है परीक्षा में प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पाल होगा, अर्थात्:—

(क) **सेवाकाल:** सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की निम्न श्रेणी या उच्च श्रेणी में या किसी समतुल्य श्रेणी में निर्णयिक तारीख को उसने 3 वर्ष से अन्यून अनुमोदित और लगातार सेवा की हो।

टिप्पणी: 1.—अनुमोदित और लगातार सेवा की 3 वर्ष की सीमा उस वर्ष में भी लागू होगी, यदि अध्यर्थी की कुल संगणनीय सेवा, सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की प्रशंसतः निम्न श्रेणी या उच्च श्रेणी में और प्रशंसतः किसी समतुल्य श्रेणी में हो।

टिप्पणी: 2. सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की निम्न श्रेणी या उच्च श्रेणी के ऐसे अधिकारी, जो सक्षम प्राधिकारी के प्रनुसार से काउर-जाहा पदों पर प्रतिनियुक्ति पर हैं, यदि अन्यथा पाल हो, तो परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के पाल होंगे। यह ऐसे अधिकारी को भी लागू होता है, जो किसी काउर-जाहा पद पर या अन्य सेवा पर स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त किया गया है, यदि तस्मय सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की निम्न श्रेणी या उच्च श्रेणी में उसका पुनःप्रहणाधिकार बना रहा हो।

(ख) **आयु :** निर्णयिक तारीख को उसकी आयु 45 वर्ष से अधिक न हो :

परन्तु अधिकतम प्राय-सीमा, प्रनुसूचित जातियों, प्रनुसूचित जन-जातियों और ऐसे अन्य प्रवागों के अध्ययनियों की जनवर, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, समय समय पर इस नियम अधिसूचित किए जाएं उस विस्तार तक और प्रत्येक प्रधारण के बारे में अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, पियाल की जा सकेगी।

(2) **फीस:** उसे सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा विहित फीस का मदाय करना होगा।

(3) **प्रापात के कारण सैनिक सेवा में नौकरी शुरू करने वाले सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की उच्च श्रेणी या निम्न श्रेणी के अधिकारियों की पालता के बारे में विवेच उपलब्ध:— सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की निम्न श्रेणी या उच्च श्रेणी के ऐसे अधिकारियों को, जो आपात के दौरान सैनिक सेवा में नौकरी शुरू करते या बुलाए जाने के कारण परीक्षा में नहीं बैठ सके, केन्द्रीय सरकार द्वारा, इस नियम समय-समय पर विनियिष्ट रीति में, संरक्षण विधा जाएगा।**

5. **अभ्यर्थिता के लिए निरहृता:** अपनी अभ्यर्थिता का समर्थन करने के लिए किसी अध्यर्थी की ओर से किसी माध्यम द्वारा किया गया कोई भी प्रयत्न गच्छालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा ऐसे आधारण के रूप में माना जाएगा, जो उसे परीक्षा में सम्मिलित करने के लिए निरहृत करता हो।

6. **अध्यर्थी की पालता के बारे में विवरण:** परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के लिए किसी अध्यर्थी की पालता या अन्यथा के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान का विविच्य अन्तिम होगा।

और कोई भी ऐसा अधिकारी, जिसे उक्त संस्थान द्वारा स्वीकृति का प्रमाण-पत्र जारी नहीं किया गया है, परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

7. परिणाम : (1) ऐसे अधिकारीयों के नाम, जो परीक्षा के परिणामों पर नियुक्ति के लिए सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा उपयुक्त समझे गए हैं, गुणानुक्रम में क्रमांकित किए जाएंगे और विनियम 8 के उप-विनियम (3) के उपबन्ध के अधीन रहते हुए, उसी क्रम में विनियित की गई नियुक्ति की संस्था तक नियुक्ति के लिए उनकी सिफारिश की जाएगी।

(2) प्रत्येक अधिकारी को परीक्षा के परिणामों की संसूचना का प्रलेप और रीति, मचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा विनियित की जाएगी, जो परिणामों के बारे में प्रत्येक अधिकारी के साथ कोई पकाचार नहीं करेगा।

8. नियुक्ति : (1) परीक्षा में उत्तीर्ण होना नियुक्ति के लिए कोई अधिकारी तब तक प्रदान नहीं करेगा जब तक, केन्द्रीय सरकार का, ऐसी जांच के पश्चात् जो आवश्यक समझी जाए, समाधान न हो जाए कि अधिकारी सभी भागों में उपयुक्त है।

(2) उप-विनियम (3) में यदा उपबन्धित के सिवाय, किसी परीक्षा के परिणामों पर नियुक्तियों, उपलब्ध रिक्तियों तक, केन्द्रीय सरकार द्वारा, इस नियम समय-समय पर जारी किये गए आदेशों के अनुसार, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के अधिकारीयों के लिए आरक्षणों के अधीन रहते हुए, सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा विनियित के लिए सिफारिश किए गए अधिकारीयों के गुणानुक्रम में की जाएंगी।

(3) अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों में से किसी के अधिकारीयों की, जहां तक अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या माधारण मानक के अधार पर नहीं भरी जाती, उम् विस्तार तक शिक्षित मानक द्वारा, आरक्षित रिक्तियों में उन्नता को पूरी करने के लिए, सेवा में नियुक्ति के लिए इन अधिकारीयों की योग्यता के अधीन रहते हुए, परीक्षा में गुणानुक्रम में उनके रैंक पर छान दिए जाना, सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा सिफारिश की जा सकेगी।

परन्तु यदि लम्य-समय पर इस नियम जारी किए जाएं सरकारी आदेशों के अनुसार उनके लिये आरक्षित सभी रिक्तियों भरने के लिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के अधिकारीयों की पर्याप्ति संभव उपलब्ध न हो, तो न भरी गई रिक्तियों, सरकार द्वारा विनियित रीति से भरी जाएंगी।

9. प्रतिलक्षण या अन्य प्रबचार के लिए शास्ति : कोई अधिकारी, जो प्रतिलक्षण का या गढ़ी हुई दस्तावेज़ या ऐसी दस्तावेजों को, जो बिंगड़ दी गई है, पेश करने का या ऐसे कथन करने का जो गलत या मिथ्या है या सार्वान जानकारी को दबाने का या परीक्षा में प्रवेश प्राप्त करने के लिए अन्यथा किन्तु अनियमित या अनुचित उपायों के प्रबन्ध का या परीक्षा में नावाजिब साधनों का उपयोग करने या उपयोग करने के लिए प्रयत्न करने का या परीक्षा भवन में प्रबचार का दोषी है या सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा दोषी घोषित किया गया है, दण्डिक अभियोजन का स्वयं वायी होने के माध्यम साथ उसे,—

(क) सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा स्वायी रूप से या किसी विनियित प्रधानि के लिए किसी परीक्षा में ममिलित करने या उक्त संस्थान द्वारा अधिकारीयों के जयन के लिए किए गए किसी साक्षात्कार में उपस्थित होने से विवरित किया जा सकेगा; और

(ख) समुचित नियमों के प्रधीन अनुशासनिक कार्रवाई का जहां वायी हो सकेगा।

बच्चे अनुसूची

[सन्ताम अनुसूची का दैरा 2(2) देखिए]

कशाल बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा (शेषी 2, सीमित विभागीय प्रतिवेदिता परीक्षा) विनियम, 1973

मण्डल बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1970 के नियम 21 के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, निम्नालिखित विनियम एतद्वारा बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन विनियमों का नाम संक्षिप्त बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा (शेषी 2, सीमित विभागीय प्रतिवेदिता परीक्षा) विनियम, 1973 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबूत होंगे।

2. परिमावार्द्ध : (1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो —

(क) "नियांकित तारीख" से गेसे वर्ष के अगस्त का प्रथम दिन अप्रिक्षेत है, जिसमें परीक्षा ली गई है;

(ख) "परीक्षा" से सेवा की श्रेणी 2 के लिए चयन सूची में वृद्धि करने के लिए सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा ली गई सीमित विभागीय प्रतिवेदिता परीक्षा अभियेत है;

(ग) "सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान" से मनिमडल मचिवालय में कार्मिक विभाग का सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान अभियेत है;

(घ) "नियमित रूप से नियुक्त श्रेणी 3 का प्रधिकारी" से उस श्रेणी के आरम्भिक गठम में विनियित प्रक्रिया के अनुसार समिलित या तद्पश्चात्, श्रेणी 3 में दीर्घालिक आशार पर नियुक्त कोई व्यक्ति अभियेत है;

(ङ) "नियम" से सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम 1970 अभियेत है;

(च) "अनुसूचित जातियों" और "अनुसूचित जन-जातियों", के वे ही अर्थ होंगे, जो उन्हें भारत के संविधान के अनुच्छेद 366 के क्रमांक: छण्ड (24) और (25) में दिए गए हैं।

(छ) "चयन" से सेवा की श्रेणी 2 के लिए चयन सूची में सम्मिलित किया जाना अभियेत है।

(2) इन विनियमों में प्रयुक्त और इसमें परिभाषित म किए गए किन्तु नियमों में परिभाषित किए गए सभी अन्य शब्दों और पदों के वे ही अर्थ होंगे जो इन नियमों में उन्हें क्रमांक दिए गए हैं।

3. परीक्षा लेना : (1) केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर अधिकृत रीति से सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा परीक्षा संचालित की जायगी।

(2) वे सारीबैं, जिनकी द्वारा वे स्थान जहां परीक्षा ली जाएगी, सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा नियत किए जाएंगे।

4. पालता की शर्तें: (1)—सेवा की श्रेणी 3 में नियमित रूप से नियुक्त कोई ऐसा स्थायी या अस्थायी प्रधिकारी, जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता है, परीक्षा में प्रतियोगिता के लिए पाल होगा, प्रथम:—

(क) सेवाकाल: 1 अगस्त, 1972 से वा उसके पश्चात् सेवा की श्रेणी 3 में, नियमित तारीख को उसने 3 वर्ष से अन्यून अनुसेवित और लगातार सेवा की हो।

टिप्पणी—श्रेणी 3 के ऐसे प्रधिकारी, जो सक्षम प्राधिकारी के अनु-मोबाइल से कांडर-बाह्य पदों पर प्रतिनियुक्त पर है और जिनका सेवा की श्रेणी 3 में पुनर्जीहणाधिकार है, यदि वे अन्यथा पाल हों, तो परीक्षा में सम्मिलित किए जाएंगे।

(ब) आयु—नियमित तारीख को उसकी आयु 45 वर्ष से अधिक न हो:

परन्तु प्रधिकारत प्रायु-सीमा, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों और ऐसे अन्य प्रकारों के अध्यर्थियों की बाबत, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, समय-समय इस नियमित अधिसूचित जन-जातियों के अध्यर्थियों के लिए आयु 45 वर्ष से अधिक रहते हुए, सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा यथा नियमित जिकारिश किए गए अध्यर्थियों के गुणानुक्रम में किया जाएगा।

(2) फौल: उसे सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा विहित फीस का संदर्भ करता होगा।

(3) आपात के कारण सैनिक सेवा में नौकरी शुरू करने वाले श्रेणी 3 के प्रधिकारियों को पालता के बारे में विशेष उपबन्धः श्रेणी 3 के ऐसे प्रधिकारियों को जो आपात के दौरान सैनिक सेवा में नौकरी शुरू करने वा बुलाए जाने के कारण परीक्षा में नहीं बैठ सके, केन्द्रीय सरकार द्वारा, इस नियमित समय-समय पर विहित रीति में संरक्षण विधा जाएगी।

5. अध्यर्थिता के लिए नियरहिता: अपनी अध्यर्थिता का समर्थन करने के लिए किसी अध्यर्थी की ओर से किसी माध्यम द्वारा किया गया कोई भी प्रयत्न सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा ऐसे आचरण के रूप में माना जाएगा जो उसे परीक्षा में सम्मिलित करने के लिए नियरहित करता हो।

6. अध्यर्थी की पालता के बारे में विविधता: परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के लिए किसी अध्यर्थी की पालता या अन्यथा के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान का विविधता अन्तिम होगा और कोई भी ऐसा अध्यर्थी, जिसे उस सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा स्थीहति का प्रभास्पत्र जारी नहीं किया गया है, परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

7. परिणामः (1)—ऐसे अध्यर्थियों के नाम, जो परीक्षा के परिणामों पर नियुक्ति के लिए सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा उपयुक्त समझे गए हैं, गुणानुक्रम में क्रमांकित किए जाएंगे और विनियम 8 के उपचिनियम (3) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए उसी अम में विनियिक्त की गई नियुक्ति की संख्या तक नियुक्ति के लिए उनकी सिकारिश की जाएगी।

(2) प्रत्येक अध्यर्थी को परीक्षा के परिणामों की सूचना का प्रत्येक अध्यर्थी को परीक्षा के परिणामों की सूचना का

मुकाबला दिनियिकता की जाएगी, जो परिणामों के बारे में प्रत्येक अध्यर्थी के साथ कोई विवादार मत्ती करेगा।

8. नियुक्ति (1) परीक्षा में उत्तीर्ण होना नियुक्ति के लिए कोई अधिकार तब तक प्रदान नहीं करेगा जब तक केन्द्रीय सरकार का ऐसी जांच के पश्चात्, जो आवश्यक समझी जाए, समाधान म हो कि अध्यर्थी सभी मामले में उपयुक्त है।

(2) उपचिनियम (3) में यथा उपचिनियम के सिवाय, किसी परीक्षा के परिणामों पर जमन, उपलब्ध रिक्तियों तक, केन्द्रीय सरकार द्वारा, इस नियमित समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के अध्यर्थियों के लिए आरक्षण के प्रधीन रहते हुए, सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा यथा नियमित जिकारिश किए गए अध्यर्थियों के गुणानुक्रम में किया जाएगा।

(3) अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों में से किसी के अध्यर्थियों की, जहां तक अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या सांस्कारण भानक के आधार पर नहीं भरी जा सकती, उस विस्तार तक विधिल भानक द्वारा आरक्षित रिक्ति में ऊताना को पूरा करने के लिए, सेवा में नियुक्ति के लिए इन अध्यर्थियों की योग्यता के प्रधीन रहते हुए, परीक्षा में गुणानुक्रम में उनके रैंकों पर ध्यान दिए बिना सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा नियमित जिकारिश की जा सकेगी।

परस्त यदि समय-समय पर इस नियमित जारी किए गए सरकारी प्राविधिकों के अनुसार उनके लिए आरक्षित सभी रिक्तियों भरने के लिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के अध्यर्थियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध न हो, तो न भरी गई रिक्तियों, सरकार द्वारा विहित रीति से भरी जाएगी।

9. प्रतिलूपन या आवश्यकार के लिए शास्ति: कोई अध्यर्थी, जो प्रतिलूपन का या गढ़ी हुई दस्तावेज़ या ऐसी दस्तावेजों को, जो बिंगड़ दी गई है, पेश करने का या ऐसे कथन करने का, जो गलत या मिथ्या है या सार-आत जानकारी को दबाने का या परीक्षा भवन में प्रवेश प्राप्त करने के लिए किन्हीं अनियमित या अनुसूचित उपायों के अवलम्ब का या परीक्षा में नावाजिव साधन का उपयोग करने या उपयोग करने के लिए प्रयत्न करने का या परीक्षा भवन में आवश्यक का दोषी है या सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा योगी घोषित किया गया है, वापिस अभियोगन का स्वयं दायी होने के साथ-साथ उसे,—

(क) केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थायी रूप से या किसी विनियिक्षण अवधि के लिए किसी परीक्षा में सम्मिलित करने या केन्द्रीय सरकार या सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा अध्यर्थियों के चयन के लिए किसी साक्षात्कार में उपस्थित होने से विवरित किया जा सकता, और

(ब) समुचित नियमों के अधीन प्रदुशासनिक कारबाई का यह दायी हो सकेगा।

विवरण अनुसूची

[सम्पूर्ण अनुसूची का पैरा 2 (2) देखिए]
साशस्त्र बल सचिवालय प्राष्टुलियिक सेवा श्रेणी 2 (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1973।

साशस्त्र बल सचिवालय प्राष्टुलियिक सेवा विनियम, 1970 के नियम 21 के उपबन्धों के अनुसारण में, केन्द्रीय सरकार, संच लोक सेवा आयोग के परामर्श से निम्नलिखित विनियम एवं ददार बनाती है, प्रथम:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन विनियमों का नाम संशोधन बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा श्रेणी 2 (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1973 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रयुक्त होंगे।

2. परिचालाएँ : (1) इन विनियमों में, जब तक कि संवर्ध से अन्यथा अन्वयित न हो—

(क) "उपलब्ध रिक्तियों" से संशोधन बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 2 की व्यवस्था में ऐसी वृद्धि जो किसी परीक्षा के परिणामों पर की जाने के लिए विनिश्चित की गई है, अधिकृत है।

(ख) "परीक्षा" से सेवा की श्रेणी 2 की व्यवस्था में वृद्धि करने और ऐसी सेवा, विभागों या कार्यालयों में, जो सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किए जाएं, आशुलिपिकों के पदों पर भर्ती के लिए आयोग द्वारा ली गई प्रतियोगिता परीक्षा अधिकृत है;

(ग) "नियम" से संशोधन बल सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1970 अधिकृत है;

(घ) "व्यवस्था" से संशोधन बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 2 के लिए व्यवस्था में सम्मिलित किया जाना अधिकृत है;

(इ) "अनुसूचित जातियों और" अनुसूचित जन-जातियों, के बीच ही अर्थ होंगे, जो उन्हें भारत के संविधान के अनुच्छेद 366 के क्रमांक: छण्ड (24) और (25) में दिए गए हैं।

(2) इन विनियमों में प्रयुक्त और इसमें परिचालित न किए गए किन्तु नियमों में परिचालित किए गए सभी अन्य भवित्वों और पदों के बीच ही अर्थ होंगे, जो इन नियमों में उन्हें क्रमांक: दिए गए हैं।

3. परीक्षा लेना : (1) सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित रीति से परीक्षा आयोग द्वारा संचालित की जाएगी।

(2) वे तारीखें, जिनको और वे स्थान जहां परीक्षा ली जाएगी, आयोग द्वारा नियत किए जाएंगे।

4. पालना की शर्तें : परीक्षा में प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु पालने के लिए अध्यर्थी को निम्नलिखित शर्तों को पूरा करना चाहिए, अर्थात्—

(1) राष्ट्रीयता:

(क) वह भारत का नागरिक हो, या

(ख) वह व्यक्तियों के ऐसे प्रवर्गों का हो जो सरकार द्वारा इस नियम समय समय पर अधिसूचित किए जाएं।

(2) प्रायुः : जिम वर्ष में परीक्षा ली जाती है उस वर्ष की जनवरी के प्रथम विन को उसने अठारह वर्ष की प्रायु पूरी कर ली हो किन्तु पञ्चवीस वर्ष की प्रायु पूरी न की हो:

परन्तु अधिकतम आयु-सीमा अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों और ऐसे व्यक्तियों के अन्य प्रवर्गों के अध्यर्थियों की बाबत, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, समय समय इस नियम अधिसूचित किए जाएं, उस विस्तार तक और प्रत्येक प्रवर्ग के बारे में अधिसूचित शर्तों के प्रश्नीन रहते हुए, शिखित की जा सकेगी।

(3) शांकिक अर्थात् : उसने केन्द्र या राज्य के विद्यान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा भारत में नियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक्युलेशन परीक्षा या स्कूल लिंगिंग माध्यमिक विद्यालय या उच्च विद्यालय प्रमाण-पत्र के प्रदान करने के लिए माध्यमिक विद्यालय पाठ्यक्रम के अन्त पर किसी राज्य के विद्यालय कोई द्वारा ली गई परीक्षा उसीरी की हो या अन्यथा उसके पास कोई ऐसी अर्हता हो जो, सरकार द्वारा, उस परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के प्रयोजनार्थ मान्यता प्राप्त है:

परन्तु आपवाहिक सामलों में, ऐसा कोई अध्यर्थी, जिसके पास इस अन्धे में विनिर्दिष्ट अर्हताओं में से कोई भी अर्हता नहीं है, आयोग द्वारा धैर्यक रूप से अर्हत समझा जाएगा, यदि उसके पास ऐसी अर्हताएँ हों, जिनका स्तरमान, आयोग की राय में उसे परीक्षा में सम्मिलित करने के लिए उचित ढहराता हो:

परन्तु यह और कि ऐसा अध्यर्थी, जो ऐसी परीक्षा में बैठा है जिसमें उत्तीर्ण होना उसे इस परीक्षा में बैठने के लिए पात्र बनाएगा, किन्तु उसके परिणाम के बारे में उसे सूचित नहीं किया गया है, परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के लिए आवेदन कर सकेगा। ऐसा अध्यर्थी भी, जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने की बांडा करता हो, आवेदन कर सकेगा, परन्तु यह तब जब कि अर्हक परीक्षा उस परीक्षा पहले पूरी हो गई हो। ऐसा अध्यर्थी, यदि अन्यथा पात्र हो, परीक्षा में सम्मिलित किया जाएगा किन्तु स्वीकृति उस दशा में अनन्तिम समझी जाएगी और रद्दकरण के अधीन होगी यदि वे उस परीक्षा में उत्तीर्ण होने का सदूत यथार्थ शोध, और किसी भी दशा में इस परीक्षा के प्रारम्भ के पश्चात् दो मास के पूर्ण पेश नहीं करते हैं।

(4) परीक्षा में बैठने के प्रयत्न : जब तक ऐसे अपवाहों में से किसी में अन्तर्विष्ट न हो, जो इस नियम सरकार द्वारा समय समय पर अधिसूचित किए जाएं, उसने पहली जनवरी, 1962 के पश्चात् ली गई परीक्षा में एक से अधिक बार प्रतियोगिता में पहले ही भाग नहीं लिया हो।

टिप्पण 1. यदि किसी अध्यर्थी ने एक या अधिक सेवाओं या पदों में से किसी के लिए प्रतियोगिता में भाग लिया है, तो यह समझा जाएगा कि उसने परीक्षा में मामूली तौर पर अन्तर्विष्ट सभी सेवाओं या पदों के लिए एक बार परीक्षा के लिए प्रतियोगिता में भाग लिया है।

टिप्पण 2. यदि कोई अध्यर्थी आस्तविक रूप से किसी एक या अधिक विषयों या प्रणपत्रों में बैठता है, तो यह समझा जाएगा कि उसने परीक्षा के लिए प्रतियोगिता में भाग लिया है।

(5) फीस : उसे आयोग द्वारा विहित फीस का संबोध करना होगा।

5. अध्यर्थिता के लिए प्रसार : अध्यर्थी की ओर से अपनी अध्यर्थिता के लिए किसी भी साधन द्वारा समर्थन अभिप्राप्त करने का कोई भी प्रयत्न अधियोग द्वारा उसे परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए निरहित करने वाला माना जाएगा।

6. पालना के बारे में विनियम : किसी अध्यर्थी की पालना या अन्यथा के बारे में, परीक्षा में स्वीकृति के लिए, आयोग का विनियम अन्तिम होगा और कोई भी अध्यर्थी जिसे स्वीकृति का प्रमाण-पत्र आयोग द्वारा जारी नहीं किया गया है, परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

7. परिणामः (1) ऐसे अध्ययियों के नाम, जो परीक्षा के परिणामों पर चयन के लिए आयोग द्वारा उपयुक्त समझे गए हैं, गुणानुक्रम में क्रमांकित किए जाएंगे और विनियम 8 के उप-विनियम (5) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, उस क्रम में, उपलब्ध रिक्तियों की संख्या तक चयन के लिए उनकी भिकारिश की जाएगी ।

(2) प्रत्येक अध्ययी को परीक्षा के परिणामों की संसूचना का प्रलूप और रीति आयोग द्वारा स्विवेकानुसार विनिश्चित की जाएगी और आयोग परिणामों के बारे में प्रत्येक अध्ययी के माय कोई प्रकाचार नहीं करेगा ।

8. नियुक्ति: (1) परीक्षा में उत्तीर्ण होना चयन के लिए कोई प्रक्रिकार तब तक प्रदान नहीं करेगा जब तक ऐसी जांच के पश्चात् जो आवश्यक समझ जाय, सरकार का यह समाधान न हो जाए कि अध्ययी मधी मासलों में चयन के लिए उपयुक्त है ।

(2) किसी भी अध्ययी का तब तक चयन नहीं किया जायगा, जब तक ऐसी चिकित्सा परीक्षा के पश्चात् जो सरकार विहित करे, वह किसी ऐसी माननिक या शारीरिक दृष्टि से मुक्त नहीं पाया गया है जो संभाव्यतः सेवा के कर्तव्यों के निर्वहन में हस्तक्षेप करने वाली हो ।

(3) वह व्यक्ति—

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है या
- (ख) जिसने अपने पति या प्रपत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा ।

परन्तु यदि सरकार का यह समाधान हो जाय कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है, तो वह किसी व्यक्ति को इस विनियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।

(4) इस विनियम के उप-विनियम (5) में यथा उपबन्धित के सिवाय, परीक्षा के परिणामों पर चयन, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित-जन-जातियों के अध्ययियों के लिए सरकार द्वारा, इस निमित्स समय तमय पर जारी किए आवेदियों के अनुसार आरक्षणों के अधीन रहते हुए, उपलब्ध रिक्तियों तक चयन के लिए आयोग द्वारा सिफारिश किए गए अध्ययियों के गुणानुक्रम में, किया जाएगा ।

(5) अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों में से किसी के अध्ययियों की, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, जहां तक वह साधारण मानक के आधार पर नहीं भरी जाती, आरक्षित कोटे में उनता को पूरी करने के लिए, ऐसे अध्ययियों की, चयन के लिए उपयुक्तता के अधीन रहते हुए, परीक्षा के गुणानुक्रम में, उनके रैंकों पर ध्यान विए बिना, शिखिल मानक द्वारा आयोग द्वारा सिफारिश की जा सकेगी :

परन्तु यदि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों के अध्ययियों की पर्याप्ति संख्या, उनके लिए आरक्षित सभी रिक्तियाँ, सरकार द्वारा समय-समय पर इस निमित्स जारी किए गए आवेदियों के अनुसार, भरी जाने वाली के लिए उपलब्ध न हो, तो न भरी गई रिक्तियाँ सरकार द्वारा विहित रीति से भरी जाएंगी ।

9. प्रतिक्रिया या अप्प्य अपचार के लिए शास्ति: कोई अध्ययी, जो प्रतिक्रिया का या गड़ी हुई दस्तावेज़ या ऐसी दस्तावेजों का, जो बिगाड़ दी गई है, पेश करने का या ऐसे कथन करने का जो गलत या मिथ्या है, या

सारखान् जातकारी को दबाने का या परीक्षा में प्रत्रेष प्राप्त करने के लिए अन्यथा किही अनियमित या अनुचित उपायों के अवलम्बन का या परीक्षा में नावाजिव साधन का उपयोग करने या उपयोग करने के लिए प्रयत्न करने का या परीक्षा भवन में अवचार का दोषी है या आयोग द्वारा दोषी घोषित किया गया है, दाण्डिक अधियोजन या स्वयं दायी होने के साथ साथ उसे—

(क) स्थायी रूप से या किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए—

(i) आयोग द्वारा किसी परीक्षा में सम्मिलित करने से या आयोग द्वारा अध्ययियों के चयन के लिए किए गए किसी साक्षात्कार में उपस्थित होने से; और

(ii) सरकार द्वारा उसके अधीन नियोजन से, विवर्जित किया जा सकेगा ;

(ख) यदि वह पहले से ही सरकार के अधीन सेवा में ही तो, समुचित नियमों के अधीन अनुसासनिक कार्रवाई का दायी होता :

10. नियसम और व्याख्या: भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० नि० आ० 333, तारीख 24 अगस्त, 1971 के साथ प्रकाशित मण्डल बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा (प्रतिगोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति, 1971 एतद्वारा नियसित किया जाता है :

परन्तु इस प्रकार नियसित विनियमों के अधीन दिया जाय वोई व्यावेश या की गई कोई कार्रवाई, इन विनियमों के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन दिया जाय या की गई समझी जाएगी ।

फाइल सं० 97313/झ० 3 सी ए झ०/झी पी सी

पी० प० न० मैनन, सहायक-मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

स्पष्टीकारक ज्ञापन

सशस्त्र बल मुख्यालय सेवा आशुलिपिक सेवा (हितीय संस्थान) नियम,

1973

सरकार द्वारा यह विनिश्चित किया गया है, वेदिये रक्षा मंत्रालय कार्यालय ज्ञापन सं० 97313 एस टी/सी ए झ० (झ० पी सी) तारीख 10-8-72, कि सशस्त्र बल मुख्यालयों और अस्तर सेवा संगठनों में आशुलिपिकों के विद्यमान पदों को श्रेणी 3 के आशुलिपिकों के पदों में, 1-8-72 से, 130-5-160-8-200-द०रो०-८-256-द०रो० 8-280 शये के वेतनमान में परिवर्तित और सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में सम्मिलित किया जाना चाहिये । अतः उपर्युक्त संशोधनों को 1-8-72 से भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है ।

यह प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त संशोधनों को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी को भी हितों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

New Delhi, the 9th March, 1973

S.R.O. 74.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules further to amend the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 10 dated the 22nd December 1970, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These Rules may be called the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service (Second Amendment) Rules, 1973.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of August, 1972.

2. Amendment of rule 2 : In the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 2—

(i) for clause (b), the following clause shall be substituted, namely :—

“(b) ‘appointed day’ means the 1st day of August, 1969 in respect of Selection Grade, Grade I and Grade II of the Service and the 1st day of August, 1972 in respect of Grade III of the Services”;

(ii) for clause (f), the following clause shall be substituted, namely :—

“(f) ‘direct recruit’ means a person recruited to Grade II on the basis of a competitive examination held by the Commission, or to Grade III by the Institute of Secretariat Training and Management of the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat in accordance with the procedure laid down in rule 13A”;

(iii) after clause (k), the following clause shall be inserted, namely :—

“(kk) ‘probationer’ means a direct recruit appointed to Grade III on probation in or against a substantive vacancy”;

(iv) for clause (m), the following clause shall be substituted, namely :—

“(m) ‘Select List’ in relation to the Selection Grade, Grade I or Grade II means the Select List prepared in accordance with the regulations made under rule 21 or, as the case may be, under the procedure contained in the Seventh Schedule;”

(v) for clause (n), the following clause shall be substituted, namely :—

“(n) ‘Service’ means the Armed Forces Headquarters Stenographers’ Service comprising posts in Selection Grade, Grade I, Grade II and Grade III in any of the Headquarters and Inter Service Organisations of the Ministry of Defence, as specified in the First Schedule.”

3. Substitution of rule 3 : For rule 3 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“3. Composition of the Service. (1) There shall be four Grades in the Service classified as follows :—

Grade	Classification
(i) Selection Grade	Central Civil Service—
(ii) Grade I	Class II—Ministerial.
(iii) Grade II	
(iv) Grade III	Central Civil Service—Class III—Ministerial.

(2) The posts specified in the second Schedule shall constitute the Selection Grade of the Service and those specified in the Third Schedule shall constitute Grade I of the Service. All posts of Personal Assistants shall, unless provision to the contrary is made for any specified posts, from Grade II of the Service. All posts of Stenographers shall, unless provision to the contrary is made for any specified posts, from Grade III of the Service. All the existing posts of Steno-typists in Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations, as specified in the First Schedule, shall be deemed to have been converted into duty posts of Grade III of the Service from the date of coming into force of the Armed Forces Headquarters Stenographers’ Service (Second Amendment) Rules, 1973.

(3) The posts in the Selection Grade and Grade I shall be gazetted and selection posts and those in Grade II and III shall be non-gazetted and non-selection posts.”

4. Amendment of rule 4 : In rule 4 of the said rules, for the words ‘three Grades’ wherever they occur, the words ‘four Grades’ shall be substituted.

5. Amendment of rule 9 : In rule 9 of the said rules, for the marginal heading “Initial Constitution,” the marginal heading “Initial Constitution of Selection Grade, Grade I and Grade II” shall be substituted.

6. Insertion of new rule 9A : After rule 9 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

“9A. Initial Constitution of Grade III : (1) Appointments against all permanent and temporary duty posts at the initial constitution of Grade III of the Service shall be made from amongst departmental candidates. The following shall be considered as departmental candidates for this purpose, namely :—

(a) persons who, immediately before the 1st August, 1972, have been regularly appointed to the Lower Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service and who are holding posts of Steno-typists and drawing a special pay for the same in any of the Offices of Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations specified in the First Schedule;

(b) persons belonging to the Lower Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service who may be on deputation in public interest to posts of Stenographers, Personal Assistant or other similar posts in whose case it is certified that but for deputation they would have continued to hold the posts of Steno-typists upto the 1st August, 1972, in the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations specified in the First Schedule;

(2) Posts in Grade III of the Service shall be filled by appointment of departmental candidates holding posts of Steno-typists and referred to in clauses (a) and (b) of sub-rule (1) :—

Provided that they had also passed the stenography test held by the Office of the Chief Administrative Officer, Ministry of Defence :

Provided further that persons referred to in sub-rule (1) shall be given an option to join the Armed Forces Headquarters Stenographers’ Service or to continue in the Armed Forces Headquarters Clerical Service. The option once exercised will be treated as final. Such of them as opt to join the Armed Forces Headquarters Stenographers’ Service shall be deemed to have served their connection with the Armed Forces Headquarters Clerical Service and cease to be eligible for any promotions in that Service. Those who are permanent in Low Division Grade shall be allowed to retain a lien on such posts in the Armed Forces Headquarters Clerical service till they confirmed in the Armed Forces Headquarters Stenographers’ Service. Those who may be eligible for confirmation in Lower Division Grade from a date prior to the 1st August 1972, shall be so, confirmed, subject to being found suitable and their lien also retained in the Armed Forces Headquarters Clerical Service until they are confirmed in the Armed Forces Headquarters Stenographers’ Service. Those Steno-typists who opt for the Armed Forces Headquarters Clerical Service, shall be adjusted as Lower Division Clerks in that Service.

(3) Persons appointed to Grade III of the Service shall be on probation in accordance with the provisions of rule 15.”

7. Substitution of rule 11 : For rule 11 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“11. Future maintenance : The Service shall be maintained in future as indicated in rules, 12, 13 and 13A.

8. Substitution of rule 13 : For rule 13 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"13. Recruitment to Grade II of the Service. (1) Substantive vacancies in Grade II of the Service shall be filled by substantive appointments of persons included in the Select List for the Grade, such appointments being made in the order of seniority in the Select List except when, for reasons to be recorded in writing, a person is not considered fit for such appointment in his turn.

(2) Temporary vacancies in Grade II of the Service shall be filled by appointment of persons included in the Select List for the Grade. Any vacancies remaining unfilled thereafter shall be filled by temporary promotion on the basis of seniority, subject to the rejection of the unfit, of officers of Grade III of the Service who have rendered not less than five years, approved service in that Grade. Such promotions shall be terminated when persons included in the Select List for Grade II become available to fill the vacancies :

Provided that officers of Grade III, appointed to that Grade at the initial constitution, shall be eligible for promotion on the basis of seniority, subject to the rejection of unfit, if they have rendered not less than three year's approved service in that Grade :

Provided further that, if any person appointed to Grade III is considered for promotion to Grade II in accordance with the provisions of this sub-rule, all persons senior to him in Grade III shall also be so considered notwithstanding that they may not have rendered five years' approved service in that Grade.

(3) For the purpose of this rule, a Select List shall be prepared and may be revised from time to time. The procedure for preparing and revising the Select List shall be as set out in the Seventh Schedule.

(4) The length of approved service for promotion to Grade II prescribed in sub-rule (2), may be reviewed by the Government once every three years and revised, if found necessary."

9. Insertion of new rule 13A : After rule 13 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

"13A. Recruitment to Grade III of the Service : (1) Vacancies in Grade III of the Service shall be filled by direct recruitment on the basis of competitive examinations held for the purpose by the Institute of Secretariat Training and Management of the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat, limited to member of the Armed Forces Headquarters Clerical Service:

Provided that to the extent a sufficient number of qualified candidates are not available for appointment on the results of such competitive examinations, the vacancies may be filled, provisionally or on regular basis, in such manner as may be determined by the Government.

(2) The Government may, by order, specify the number of vacancies in Grade III of the Service to be filled permanently or temporarily on the results of any examination referred to in sub-rule (1).

(3) Substantive appointment to substantive vacancies in the Grade other than those to be permanently filled in pursuance of any order made under sub-rule (2) shall be made in the order of seniority of temporary officers of the Grade except when, of reasons to be recorded in writing, a person is not considered fit for such appointment in his turn.

(4) The rules for the competitive examinations referred to in sub-rule (1) shall be as determined by regulations contained in the eighth Schedule.

10. Amendment of rule 15 : In rule 15 of the said rules,—

(i) in sub-rule (1), after the words 'Grade II', the words 'or Grade III' shall be inserted;

(ii) in sub-rule (2), for the words 'Selection Grade or Grade I', the words 'Selection Grade, Grade I or Grade II' shall be substituted.

11. Amendment of rule 16 : (i) Rule 16 of the said rules shall be renumbered as sub-rule (1) thereof and in sub-rule (1) as so renumbered, for the expression 'rule 12 or rule 13', the expression 'rule 12, rule 13 or rule 13A' shall be substituted;

(ii) after sub-rule (1), the following sub-rule shall be inserted namely :—

"(2) When a probationer in Grade III has passed the prescribed tests and has completed his probation to the satisfaction of the appointing authority, he shall be eligible for confirmation in that Grade."

12. Amendment of rule 17 : In rule 17 of the said rules,—

(i) In sub-rules (1), (2) and (3), after the words 'Grade II' wherever they occur, the words 'or Grade III' shall be inserted;

(ii) In sub-rule (4), for the words 'Selection Grade or Grade I', the words 'Selection Grade, Grade I or Grade II' shall be substituted.

13. Amendment of rule 18 : In rule 18 of the said rules,—

(i) In sub-rule (2), after the word and figure 'rule 9', the words and figure 'or rule 9A' shall be inserted;

(ii) For sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(4) (1) The seniority *inter se* of temporary officers included in the initial constitution of the Selection Grade, Grade I or Grade II shall be regulated in the order in which they are so appointed.

(2) The Seniority *inter se* of Steno-typists appointed as Grade III Stenographers at its initial constitution shall be fixed with reference to their seniority in Lower Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Services;

(iii) In sub-rule (5),

(a) For the words "Selection Grade, Grade I and Grade II", the words "Selection Grade, Grade I, Grade II and Grade III" shall be substituted;

(b) Under the heading "II—Grade II", for clauses (i) and (ii), the following clause shall be substituted, namely :—

"(i) Permanent Officers—The seniority *inter se* of officers substantively appointed to the Grade shall be regulated by the order in which they are so appointed to the Grade.

(ii) Temporary Officers—The seniority *inter se* of temporary officers appointed to the Grade shall be regulated as follows, namely :—

(a) Persons included in the Select List for the Grade shall rank senior *en bloc* to those not included in the Select List;

(b) The seniority *inter se* of persons included in the Select List shall be in the order in which their names are included in the Select List;

(c) The seniority *inter se* of persons not included in the Select List shall be regulated by the order in which they are approved for long-term appointment to the Grade;"

(c) After the heading "II—Grade II" and entries therein, the following heading and entries shall be inserted, namely :—

"III—Grade III

(i) Permanent Officers—The seniority *inter se* of officers substantively appointed to the Grade after the appointed day shall be regulated by the order in which they are so appointed to the Grade. Direct recruits appointed against substantive vacancies shall, however, rank *inter se* according to the order of merit in which they are placed at the competitive examination on the results of which they are recruited, the recruits of an earlier examination being ranked senior to those of a later examination.

(ii) **Temporary Officers**—Persons appointed to the Grade after the appointed day shall rank *inter se* in the order of merit in which they are placed at the competitive examination on the results of which they are recruited, the recruits of an earlier examination being ranked senior to those of a later examination.

(iii) The seniority of officers appointed to the Grade under the proviso to sub-rule (1) of rule 13A shall be such as may be determined by the Government from time to time.

14. Amendment of rule 19 : In rule 19 of the said rules,—
(i) In the beginning for the words 'Selection Grade, Grade I and Grade II', the words 'Selection Grade, Grade I, Grade II and Grade III', shall be substituted;

(ii) After sub-rule (3), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(4) Grade III—Rs. 130-5-160-8-200-EB-8-256-EB-8-280."

15. Amendment of rule 20 : In rule 20 of the said rules, in sub-rule (1), for the words 'Selection Grade, Grade I and Grade II', the words 'Selection Grade, Grade I, Grade II and Grade III', shall be substituted.

16. Substitution of rule 23 : For rule 23 of the said rules, the following rules shall be substituted, namely:—

"23. Power to relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts;

Provided that, in relation to posts falling within the purview of the Commission, no order in respect of a class or category of persons or posts shall be made except after consultation with the Commission."

17. Amendment of Fourth Schedule : In the Fourth Schedule to the said rules, in the Table under the headings "Grade" and "Authorised permanent strength", after clause (iii) the following clause shall be inserted, namely:—

"(iv) Grade III..... Nil."

18. Insertion of new Schedules : After the Sixth Schedule to the said rules, the following Schedules shall be inserted, namely:—

- (i) **Seventh Schedule**—Procedure for the preparation and revision of the Select List for Grade II of the Armed Forces Headquarters Stenographers Service;
- (ii) **Eighth Schedule**—Armed Forces Headquarters Stenographers Service Grade III (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1973;
- (iii) **Ninth Schedule**—Armed Forces Headquarters Stenographers Service (Grade II Limited Departmental Competitive Examination) Regulations, 1973;
- (iv) **Tenth Schedule**—Armed Forces Headquarters Stenographers Service Grade II (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1973.

THE SEVENTH SCHEDULE

[See rule 13(C)]

Procedure for the preparation and revision of the select list for Grade II of the armed forces Headquarters Stenographers Service

1. Constitution:—Temporary officers of Grade II of the Service who were appointed to the Grade immediately before the appointed day or may be appointed on the results of a competitive examination held by the Commission before the appointed day shall form the Select List for the Grade on such date.

2. Maintenance:—(1) After the initial constitution of the Select List under paragraph 1, the Government may, having regard to the existing and anticipated vacancies in the Grade, add such

number of persons to the Select List as it may think fit from amongst the persons of the following categories, namely :—

(a) (i) persons selected in order of merit on the results of a departmental competitive examination held from time to time for the purpose by the Institute of Secretariat Training and Management of the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat;

(ii) persons selected in the order of their seniority (subject to rejection of the unfit) from amongst Grade III officers of the Service who have put in not less than—

(A) three years approved service in the Grade, in the case of officers appointed to the Grade at the initial constitution under rule 9A;

(B) five years approved service in that Grade, in the case of others.

(b) persons selected in order of merit on the results of a competitive examination held from time to time for the purpose by the Commission:

Provided that the additions to the Select List of the persons falling within the categories specified in clause (a) and clause (b) shall be in the ratio of 3 : 5, that is to say, if three persons are added from amongst the category of persons specified in clause (a), five persons shall be added from amongst the category of persons specified in clause (b), and out of the three persons to be added to the Select List from amongst the category of persons specified in clause (a), if one person is added from amongst the category of persons specified in item (i) thereof, two persons shall be added from amongst the category of persons specified in item (ii);

Provided further that, if persons of the category specified in item (i) of clause (a) are not available to fill the vacancies falling to their quota, the deficiency shall be made up from amongst the category of persons specified in item (ii) of clause (a) and vice versa; and if persons of both the categories specified in clause (a) are not available to fill the vacancies filling to their quota, the deficiency shall be made up from amongst category of persons in clause (b).

(2) The competitive examinations referred to in clauses (a) and (b) of sub-paragraph (1) shall be governed by the regulations contained in the Ninth Schedule and the Tenth Schedule, respectively.

3. Seniority : (1) Officers included in the Select List for the Grade constituted under paragraph 1 shall be senior to those included therein after such constitution :

Provided that the seniority of persons recruited through the competitive examinations held by the Commission in whose cases offers of appointment are revived after being cancelled shall be such as may be determined by the Government in consultation with the Commission.

(2) Officers included in the Select List under paragraph 2 shall rank *inter se* in the order in which they are included in the Select List.

4. Removal of names from the Select List : (1) Subject to clause (3), an officer included in the Select List for the Grade shall continue to be included in such List till he is substantively appointed to that Grade.

(2) Officers included in the Select List for the Grade who cannot be appointed to that Grade or who are reverted therefrom for want of vacancies shall continue to be included in such List and retain the seniority assigned to them in the Select List.

(3) The names of persons of the following categories shall be removed from the Select List, namely :

(a) persons substantively appointed to the Grade;

(b) persons transferred substantively to another Service or post;

- (c) persons who die or retire from service or whose services are otherwise terminated; and
- (d) (i) persons officiating in Grade II, beyond the period of probation specified in rule 15 who are reverted therefrom as a result of a departmental inquiry or proceedings under the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965; or
- (ii) persons in Grade II who, either during or at the end of the period of probation specified in rule 15 are reverted therefrom under sub-rule (3) or (4) of rule 17, as the case may be, on the ground of unfitness to continue in that Grade; or
- (iii) persons not yet promoted or appointed on probation to Grade II, who on an annual review of the Select List are found, because of deterioration in their record or conduct or both since inclusion in the List, to have fallen below the required standard :

Provided that the removal of the name of a person from category (iii) above who has been included in the Select List on the results of a competitive examination referred to in paragraph 2 shall be made in consultation with the Commission.

THE EIGHTH SCHEDULE

[See rule 13A(4)]

The Armed Forces Headquarters Stenographers Service Grade III (Appointment by Competitive Examination) Regulations 1973

In pursuance of sub-rule (4) of rule 13A, read with rule 21, of the Armed Forces Headquarters Stenographers Service Rules, 1970, the Central Government hereby makes the following regulations, namely :

1 Short title and commencement : (1) These regulations may be called the Armed Forces Headquarters Stenographers Service Grade III (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1973.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2 Definitions: (1) In these regulations, unless the context otherwise requires—

- (a) "crucial date" means the first day of January of the year in which the examination is held;
- (b) "equivalent grade" means any grade under the Central Government or the State Government the minimum and maximum scale of pay of which was not less than Rs. 55/- and Rs. 130/-, respectively, prior to the 1st July, 1959, and is not less than Rs. 110/- and Rs. 180/-, respectively on or after the 1st July, 1959;
- (c) "examination" means the competitive examination held by the Institute of Secretariat Training and management for appointment to Grade III of the Service;
- (d) "Institute of Secretariat Training and Management" means the Institute of Secretariat Training and Management of the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat;
- (e) "regularly appointed officer to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade" means an officer appointed on a long term basis to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service, according to the prescribed procedure;
- (f) "rules" means the Armed Forces Headquarters Stenographers Service Rules, 1970;
- (g) "Scheduled Castes" and "Scheduled Tribes" shall have the meanings assigned to them by clauses (24) and (25) respectively of article 366 of the Constitution.

(2) All other words and expressions used in these regulations and not defined but defined in the rules shall have the meanings respectively assigned to them in the rules.

3. Holding of the examination : (1) The examination shall be conducted by the Institute of Secretariat Training and Management, in the manner notified from time to time by the Central Government.

(2) The dates on which and the places at which the examination shall be held shall be fixed by the Institute of Secretariat Training and Management.

4. Conditions of eligibility : (1) **Eligibility**—Any permanent or temporary regularly appointed officer to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service who satisfies the following conditions shall be eligible to compete at the examination, namely :—

(a) **Length of Service :** He has on the crucial date rendered not less than three years approved and continuous service in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service or in any equivalent grade.

Note 1. The limit of three years of approved and continuous service shall also apply if the total reckonable service of a candidate is partly in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service and partly in an equivalent grade.

Note 2. Officers of the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority shall be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible. This also applies to an officer who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer if he continues to have a lien in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service for the time being.

(b) **Age:** He is not more than 45 years of age on the crucial date:

Provided that the upper age limit may be relaxed in respect of the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Schedule Tribes and such other categories of persons as may be notified in this behalf by the Central Government, from time to time, to the extent and subject to the conditions notified in respect of each category.

(2) **Fee:** He must pay the fee prescribed by the Institute of Secretariat Training and Management.

(3) **Special provision regarding eligibility of officers of the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service joining military service on account of the Emergency :** Protection shall be afforded to officers of the Lower Division Grade or Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service who because of their having joined or having been called up for military service during Emergency cannot appear in the examination, in the manners specified from time to time by the Central Government in this behalf.

5 Disqualification for candidature : Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may be held by the Institute of Secretariat Training and Management to be a conduct which would disqualify him for admission to the examination.

6 Decision as to eligibility of a candidate : The decision of the Institute of Secretariat Training and Management as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final and no candidate to whom a certificate of admission has not been issued by the said Institute shall be admitted to the examination.

7. Results : (1) The names of the candidates who are considered by the Institute of Secretariat Training and Management to be suitable for appointment on the results of an examination shall be arranged in order of merit, and subject to the provisions of sub-regulation (3) of regulation 8, they shall be recommended for appointment in that order upto the number of appointments decided to be made.

(2) The form and manner of communication of the results of an examination to individual candidates shall be decided by the Institute of Secretariat Training and Management who shall not enter into any correspondence with the individual candidates regarding results.

8. Appointment : (1) Success in an examination shall confer no right to appointment unless the Central Government are satisfied after such inquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects.

(2) Save as provided in sub-regulation (3), appointments on the results of any examination shall be made to the extent of the available vacancies in the order of merit of the candidates recommended for appointment by the Institute of Secretariat Training and Management subject to reservations for the candidates of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government in this behalf.

(3) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Institute of Secretariat Training and Management by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination :

Provided that if a sufficient number of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes is not available to fill all the vacancies reserved for them in accordance with the orders of Government issued in this behalf from time to time, the unfilled vacancies shall be filled in the manner prescribed by Government.

9. Penalty for Impersonation or other misconduct : A candidate who is or has been declared by the Institute of Secretariat Training and Management guilty of impersonation or of submitting fabricated documents, or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall, may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, —

- (a) be debarred permanently or for a specified period by the Institute of Secretariat Training and Management from admission to any examination or appearance at any interview held by the said Institute for selection of candidates; and
- (b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules.

THE NINETH SCHEDULE

[See paragraph 2(2) of the Seventh Schedule]

**The Armed Forces Headquarters Stenographers Service
(Grade II Limited Departmental Competitive Examination)
Regulations, 1973**

In pursuance of the provisions of rule 21 of the Armed Forces Headquarters Stenographers Service Rules, 1970, the Central Government hereby makes the following regulations, namely —

1. Short title and commencement : (1) These regulations may be called the Armed Forces Headquarters Stenographers Service (Grade II Limited Departmental Competitive Examination) Regulations, 1973.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions : (1) In these regulations, unless the context otherwise requires :—

- (a) "crucial date" means the first day of August of the year in which the examination is held ;
- (b) "examination" means a limited departmental competitive examination held by the Institute of Secretariat Training and Management for making additions to the Select List for Grade II of the Service ;
- (c) "Institute of Secretariat Training and Management" means the Institute of Secretariat Training and Management of the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat ;
- (d) "regularly appointed Grade III officer" means a person included in the initial constitution of that Grade or appointed thereafter on a long term basis to Grade III according to the specified procedure;
- (e) "rules" means the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970;
- (f) "Scheduled Castes" and "Scheduled Tribes" shall have the meanings assigned to them in clause (24) and clause (25) respectively of article 366 of the Constitution;
- (g) "Selection" means inclusion in the Select List for the Grade II of the Service.

(2) All other words and expressions used in these regulations and not defined herein but defined in the rules shall have the meanings respectively assigned to them in the rules.

3. Holding of the examination : (1) The examination shall be conducted by the Institute of Secretariat Training and Management in the manner notified from time to time by the Central Government.

(2) The dates on which and the places at which the examination shall be held shall be fixed by the Institute of Secretariat Training and Management.

4. Conditions of eligibility : (1) Any permanent or temporary regularly appointed Grade III officer of the Service who satisfies the following conditions shall be eligible to compete at the examination, namely :—

- (a) **Length of service :** He should have, on the crucial date, rendered not less than three years approved and continuous service in Grade III of the Service from or after the 1st August, 1972.

Note : Grade III Officers who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority, and those having lien in Grade III of the Service shall be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

- (b) **Age :** He should not be more than 45 years of age on the crucial date :—

Provided that the upper age limit may be relaxed in respect of the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and such other categories of persons as may be notified in this behalf by the Central Government from time to time the extent and subject to the conditions notified in respect of each category.

(2) **Fee :** He must pay the fee prescribed by the Institute of Secretariat Training and Management.

(3) **Special provisions regarding eligibility of Grade III officers joining military service on account of the Emergency :** Protection shall be afforded to Grade III officers who because of their having joined or having been called up for military service during the Emergency, cannot appear in the examination, in the manner prescribed from time to time by the Central Government in this behalf.

5. Disqualification of candidature : Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may be held by the Institute of Secretariat training and Management to be a conduct which would disqualify him for admission to the examination.

6. Decision as to eligibility of a candidate : The decision of the Institute of Secretariat Training and Management as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final and no candidate to whom a certificate of admission has not been issued by the Institute of Secretariat Training and Management shall be admitted to the examination.

7. Results : (1) The names of the candidates who are considered by the Institute of Secretariat Training and Management to be suitable for selection on the results of the examination shall be arranged in the order of merit and, subject to the provisions of sub-regulation (3) of regulation 8, they shall be recommended for selection in that order upto the number of appointments decided to be made.

(2) The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Institute of Secretariat Training and Management in their discretion who shall not enter into any correspondence with the individual candidates regarding the results.

8. Appointments : (1) Success in the examination shall confer no right to selection unless the Central Government are satisfied after such inquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects.

(2) Save as provided in sub-regulation (3), selections on the results of any examination shall be made to the extent of the available vacancies, in the order of merit of the candidates, as recommended by the Institute of Secretariat Training and Management subject to the reservation for the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time, in this behalf.

(3) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Institute of Secretariat Training and Management by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of those candidates for appointment to the service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination :

Provided that if a sufficient number of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes is not available to fill all the vacancies reserved for them in accordance with the orders of Government issued in this behalf from time to time, the unfilled vacancies shall be filled in the manner prescribed by Government.

9. Penalty for impersonation or other misconduct : A candidate who is or has been declared by the Institute of Secretariat Training and Management guilty of impersonation or of submitting fabricated documents, or documents which have been tampered with, or of making statements which are incorrect or false, or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission, to the examination, or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, —

- (a) be debarred permanently or for a specified period by the Central Government from admission to any examination or appearance at any interview held by the Central Government or the Institute of Secretariat Training and Management for selection of candidates; and
- (b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules.

THE TENTH SCHEDULE

[See paragraph 2(2) of the Seventh Schedule]

The Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Grade II (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1973

In pursuance of the provisions of rule 21 of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970, the Central Government, in consultation with the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These regulations may be called the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Grade II (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1973.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions : (1) In these regulations, unless the context otherwise requires,—

(a) "available vacancies" means the additions to the Select List of Grade II of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service which are decided to be made on the results of an examination;

(b) "examination" means a competitive examination held by the Commission for making additions to the Select List of Grade II of the Service and for recruitment to posts of Stenographers in such Service, Departments or Offices, as may be notified from time to time by the Government;

(c) "rules" means the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970;

(d) "selection" means inclusion in the Select List for Grade II of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service; and

(e) "Scheduled Castes" and "Scheduled Tribes" shall have the same meanings as are assigned to them by clauses (24) and (25) respectively of article 366 of the Constitution.

(2) All other words and expressions used in these regulations and not defined but defined in the rules shall have the meanings respectively assigned to them in the rules.

3. Holding of the examination : (1) The examination shall be conducted by the Commission in the manner notified by the Government from time to time.

(2) The dates on which and the places at which the examination shall be held shall be fixed by the Commission.

4. Conditions of eligibility : In order to be eligible to compete at the examination, a candidate must satisfy the following conditions, namely :—

(1) Nationality :—

(a) He must be a citizen of India, or

(b) He must belong to such categories of persons as may, from time to time, be notified in this behalf by the Government.

(2) Age : He must have attained the age of 18 years, and must not have attained the age of 25 years on the first day of January of the year in which the examination is held.

Provided that the upper age limit may be relaxed in respect of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and such other categories of persons as may be notified in this behalf by the Government, from time to time, to the extent and subject to the conditions notified in respect of each of them.

(3) Educational Qualification : He must have passed the Matriculation examination of a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India, or an examination held by a State Education Board at the end of Secondary Course for the award of a School Leaving, Secondary School or High School Certificate, or otherwise possess any qualification which has been recognised by the Government for the purposes of admission to the examination.

Provided that in exceptional cases, a candidate who, though not possessing any of the qualifications specified in this clause may be treated by the Commission as educationally qualified if he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Provided further that a candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply, provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case no later than two months after the commencement of this examination.

(4) Attempts at the examination : Unless covered by any of the exceptions that may, from time to time, be notified by the Government in this behalf, he should not already have completed more than once at the examination held after the 1st January, 1962.

Note 1. A candidate shall be deemed to have competed at the examination once for all the Service or posts ordinarily covered by the examination if he competes for any one or more of the services or posts.

Note 2. A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in any one or more subjects or papers.

(5) Fee : He must pay the fee prescribed by the Commission.

5. Canvassing of candidature : Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may be held by the Commission to disqualify him for admission to the examination.

6. Decision as to eligibility : The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final and no candidate to whom a certificate of admission has not been issued by the Commission shall be admitted to the examination.

7. Results : (1) The names of the candidates who are considered by the Commission to be suitable for selection on the results of the examination shall be arranged in the order of merit and subject to the provisions of sub-regulation (5) of regulation 8, they shall be recommended for selection in that order up to the number of available vacancies.

(2) The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion; and the Commission shall not enter into any correspondence with the individual candidates regarding the results.

8. Appointment : (1) Success at the examination shall confer no right to selection, unless the Government is satisfied, after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for selection.

(2) No candidate shall be selected unless he is, after such medical examination as the Government may prescribe, found to be free from any mental or physical defect which is likely to interfere with the discharge of the duties of the Service.

(3) No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the Service.

Provided that the Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this regulation.

(4) Save as provided in sub-regulation(5) of this regulation, selection on the results of any examination shall be made to the extent of the available vacancies, in the order of merit of the candidates recommended by the Commission for selection, subject to reservations for the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in accordance with the orders issued by the Government in this behalf from time to time.

(5) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination :

Provided that if a sufficient number of candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes is not available to fill all the vacancies reserved for them in accordance with the orders of Government issued in this behalf from time to time, the unfilled vacancies shall be filled in the manner prescribed by the Government.

9. Penalty for impersonation or other misconduct : A candidate who is or has been declared by the Commission guilty of impersonation or of submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination, or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall, may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution :—

(a) be debarred permanently or for a specified period—

(i) by the Commission, from admission to any examination or from appearance at any interview held by the Commission for selection of candidates; and

(ii) by the Government from employment under them;

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules, if he is already in service under Government.

10. Repeal and Savings : The Armed Forces Headquarters Stenographers' Service (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1971 published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. SRO 332 dated the 24th August, 1971, are hereby repealed :

Provided that any order made or action taken under the regulations so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these regulations.

[File No. 97313/GIII/CAO/DPC]

P.N. MENON, Assistant Chief Administrative Officer

**EXPLANATORY MEMORANDUM
THE ARMED FORCES HEADQUARTERS
STENOGRAPHERS' SERVICE (SECOND
AMENDMENT) RULES, 1973**

It has been decided by Government *vide* Ministry of Defence Office Memorandum No. 97313/ST/CAO(DPC) dated 10-8-1972 that the existing posts of Steno-typists in Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations should be converted into posts of Stenographers Grade III in the scale of Rs. 130-5-160-8-200-EB-8-236-EB-8-280 with effect from 1-8-1972 and included in the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service. It has, therefore, become necessary to give retrospective effect from 1-8-1972 to the above amendments.

It is certified that the interests of no one would be prejudicially affected by giving retrospective effect to the above amendments.